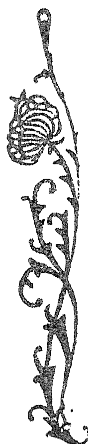
गंगा-पुस्तकमाला का तिरानबेवाँ पुष्प

प्रबुद्ध यामुन



श्रीवियोगी हरि